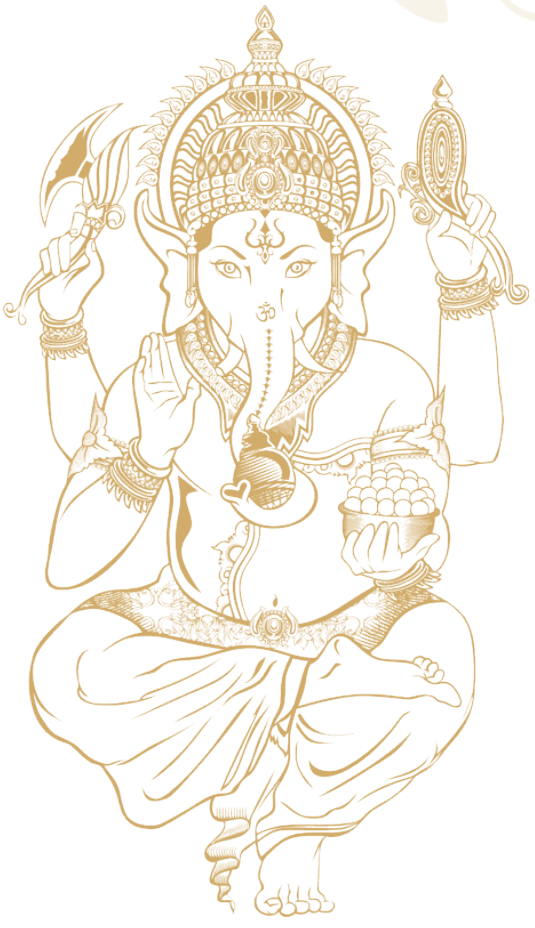

Mr. Kuldeep Tripathi

Puja joshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119342103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/03/1985	जन्म तिथि	28-29/06/1985
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	02:30:00 घंटे
घटी 31:48:03	जन्म समय(घटी)	51:53:24 घटी
India	देश	India
Chitorgarh	स्थान	Jahajpur
24:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:38:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:46	सूर्योदय	05:40:11
18:45:48	सूर्यास्त	19:23:27
23:38:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:39:04

विंशोत्तरी राहु 8वर्ष 2मा 7दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 10वर्ष 6मा 1दि
शनि	21:19:35	कन्या	लग्न	मेष	24:37:10	बुध
06/06/2009	15:09:58	मीन	सूर्य	मिथु	13:26:02	30/12/2014
06/06/2028	13:56:04	मिथु	चंद्र	तुला	24:34:51	30/12/2031
शनि 09/06/2012	16:42:58	मेष	मंगल	मिथु	19:12:54	बुध 27/05/2017
बुध 17/02/2015	23:39:06	मीन व	बुध	कर्क	04:51:51	केतु 24/05/2018
केतु 28/03/2016	16:52:43	मक	गुरु व	मक	22:24:50	शुक्र 24/03/2021
शुक्र 29/05/2019	23:43:20	मीन व	शुक्र	मेष	28:27:54	सूर्य 29/01/2022
सूर्य 10/05/2020	04:04:33	वृश्चि व	शनि व	तुला	28:23:23	चन्द्र 30/06/2023
चन्द्र 09/12/2021	25:15:46	मेष	राहु व	मेष	23:30:57	मंगल 26/06/2024
मंगल 18/01/2023	25:15:46	तुला	केतु व	तुला	23:30:57	राहु 14/01/2027
राहु 24/11/2025	24:19:11	वृश्चि व	हर्ष व	वृश्चि	21:27:35	गुरु 21/04/2029
गुरु 06/06/2028	09:57:28	धनु	नेप व	धनु	08:27:08	शनि 30/12/2031
	10:23:27	तुला व	प्लूटो व	तुला	08:19:26	

लग्न-चलित

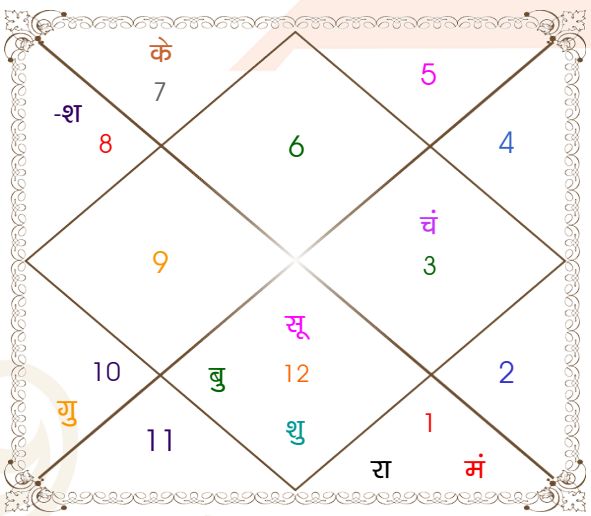

लग्न-चलित

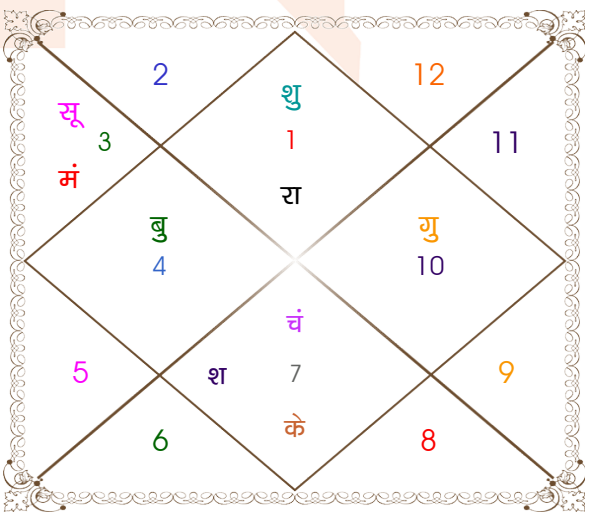

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण् ज्ञनसकममच ज्तपचंजीप का वर्ग मार्जार है तथा Puja joshi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् ज्ञनसकममच ज्तपचंजीप और Puja joshi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् ज्ञनसकममच ज्तपचंजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण् ज्ञनसकममच ज्तपचंजीप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण् ज्ञनसकममच ज्तपचंजीप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Puja joshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Puja joshi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् ज्ञनसकममच ज्तपचंजीप तथा Puja joshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।